सच्चर समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन के संबंध में
अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय कार्यक्रम के
विभिन्न मुद्दों का प्रचार-प्रसार करते हुए सूचना और प्रसारण मंत्रालय के
माध्यम एककों द्वारा शुरू किए गए प्रचार-प्रसार पर की गयी कार्रवाई संबंधी नोट
जनवरी 2017- मार्च 2017

<u>पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी)</u>

- प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय कार्यक्रम तथा सच्चर समिति की सिफारिशों के अंतर्गत अल्पसंख्यकों के कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर पत्र सूचना कार्यालय नियमित रूप से विज्ञप्तियों/फ़ीचरों का प्रकाशन करता आ रहा है।

- उपर्युक्त विषयों पर इसके विभिन्न केंद्रों से 170 प्रैस विज्ञप्तियां जारी की गयीं थी।

- उसके भाग के रूप में प्रधानमंत्री के 15 सूत्रीय कार्यक्रम के साथ पत्र सूचना कार्यालय द्वारा वार्तालापों का आयोजन किया गया है।

<u>क्षेत्रीय प्रचार निदेशालय (डीएफपी)</u>

- देश के विभिन्न भागों में अल्पसंख्यकों के कल्याण तथा सच्चर समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन के लिए प्रधानमंत्री के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम की तर्ज पर डीएफपी के क्षेत्रीय प्रचार एककों द्वारा विभिन्न प्रचार-प्रसार कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है।

- इस अभियान में अल्पसंख्यक बहुल क्षेत्रों में राष्ट्रीय एककीकरण तथा सांप्रदायिक सद्भाव की तर्ज पर आयोजित किए गए जागरुकता सृजन कार्यकलापों के अतिरिक्त विशेष रूप से 'स्वच्छ भारत मिशन', 'प्रधानमंत्री जन-धन योजना' तथा 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' पर बल दिया गया था।

- निदेशालय ने लक्षित दर्शकों के लिए तैयार किए गए कार्यकलापों के लिए विभिन्न प्रारूपों, जैसे- समूह-चर्चा, प्रश्नोत्तर सत्र, सार्वजनिक बैठकों, तथा फिल्म शो का उपयोग किया।

- निदेशालय ने 510 फिल्म शो, 185 विशेष कार्यक्रमों, 935 समूह चर्चाओं, 618 फोटो प्रदर्शनियों का आयोजन किया तथा 856 फीड-बैक कहानियों का संग्रह किया।

- निदेशालय ने उक्त तिमाही के दौरान देश भर के 660 अल्पसंख्यक बहुल गांवों में अपने प्रचार कार्यक्रमों के जरिए 2.02 लाख लोगों (लगभग) को जागरूक किया।

गीत और नाटक प्रभाग

- गीत और नाटक प्रभाग ने लाइव मीडिया, जैसे- नाटक, लोक संगीत, कठपुतली कला आदि के माध्यम से आंतरिक और ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं।
- इन कार्यक्रमों को स्थानीय भाषाओं और बोलियों में प्रस्तुत किया जाता है ताकि अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम और सच्चर समिति की रिपोर्ट की प्रमुख विशेषताओं से जुड़े संदेशों को प्रभावी रूप से संप्रेषित किया जा सके।
- मार्च 2017 को समाप्त तिमाही के दौरान प्रभाग ने 160 प्रचार-प्रसार कार्यक्रम प्रस्तुत किए थे।

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय (डीएवीपी)

- निदेशालय भारत सरकार की विभिन्न स्कीमों, निधियों, छात्रवृत्तियों आदि का विशेष रूप से उल्लेख करते हुए समय-समय पर अल्पसंख्यक कल्याण से संबंधित विषय पर अखिल भरतीय स्तर पर विज्ञापन जारी करता रहा है।
- इस तिमाही के दौरान देश भर में बहुत से समाचारपत्रों में 'हुनर हाट' 'हज मुबारक के लिए एक ऐप', 'हज के लिए सऊदी अरब में अस्थायी प्रतिनियुक्ति हेतु आवेदन आमंत्रित करना', 'बहु-क्षेत्रीय विकास कार्यक्रम', 'कैशलेस चौपाल', 'अल्पसंख्यकों के लिए नई मंजिल योजना', हज यात्रियों के लिए मोबाइल एप', 'अल्पसंख्यक महिलाओं के लिए नई रोशनी योजना', 'अल्पसंख्यकों के लिए नई उडान योजना', 'मौलाना आजाद राष्ट्रीय छात्रवृत्ति स्कीम', 'अल्पसंख्यकों के लिए सीखो और कमाओ स्कीम', 'अल्पसंख्यकों के लिए उस्ताद स्कीम' और 'अल्पसंख्यकों के स्व-रोजगार के लिए सहायिकी प्राप्त ऋण स्कीम' विषयों पर समाचार विज्ञापन जारी किए गए थे।
- डीएवीपी ने मार्च 2017 को समाप्त तिमाही के लिए डिजिटल सिनेमा से संबंधित विषय पर कोई अभियान/प्रचार नहीं किया था।
- उक्त तिमाही के दौरान संपूर्ण भारत में क्रमश: प्राइवेट एफएम और टीवी के लिए 2,37,75,937/- रु. और 3,80,98,081/- रुपये की प्रतिबद्धता राशि निर्धारित की थी और दिल्ली क्षेत्र को बाहरी मीडिया प्रचार से जुड़े अभियान के लिए 36,05,880/- रुपए की राशि जारी की गयी थी।

आकाशवाणी

- सभी आकाशवाणी केंद्रों ने 'अल्पसंख्यक कल्याण' से जुड़े उपयुक्त कार्यक्रम तैयार करके उपर्युक्त विषय का व्यापक प्रचार-प्रसार किया।
- विभिन्न प्रारूपों का इस्तेमाल किया गया, जिसमें वार्ता, संकलन, चर्चा, साक्षात्कार, जिंगल, स्पॉट, रेडियो रिपोर्ट, वार्ताबिंदु, स्पॉट रिकॉर्डिंग आधारित कार्यक्रम आदि शामिल किए गए।

- कार्यक्रमों में 15 सूत्रीय कार्यक्रमों और सच्चर समिति की रिपोर्ट के विभिन्न घटकों के बारे में जागरूकता बढ़ाने पर विशेष रूप से बल दिया गया।
- तिमाही के दौरान एआईआर स्टेशनों द्वारा कुल 65 कार्यक्रम प्रसारित किए गए।

<u>दूरदर्शन</u>

- देश भर में विभिन्न दूरदर्शन केंद्र विभिन्न प्रारूपों के माध्यम से अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री के नए 15 सूत्रीय कार्यक्रम तथा सच्चर समिति की सिफारिशों के कार्यान्वयन पर कार्यक्रमों का प्रसारण करते हैं।

- कार्यक्रमों के प्रारूप में चर्चा, नाटक, साक्षात्कार आधारित स्टूडियो वार्तालाप, वृत्तचित्र, सिंधी कार्यक्रम, उर्दू कार्यक्रम आदि शामिल हैं।

******

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

जनवरी 2017 से मार्च 2017 तक की राज्य-वार तिमाही प्रगति रिपोर्ट (क्यूपीआर)

क्रम सं.	राज्य / संघ राज्य क्षेत्र का नाम	डीएफपी द्वारा किए गए कार्यकलापों की संख्या	पीआईबी द्वारा आयोजित वार्तालापों की संख्या	आकाशवाणी द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की संख्या	एस एंड डीडी द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की संख्या	डीएवीपी द्वारा प्रिंट मीडिया प्रतिबद्धता (रुपए में)	दूरदर्शन द्वारा प्रसारित कार्यक्रमों की संख्या
1	अण्डमान और निकोबार	-	-	-	-	1,456	-
2	आंध्र प्रदेश	531	-	-	-	701,972	-
3	तेलंगाना		-	-	-	1,619,524	2
4	अरुणाचल प्रदेश	164	-	-	-	122,982	-
5	असम	21	-	10	68	524,523	-
6	बिहार	121	-	3	-	1,779,736	3
7	चंडीगढ़	-	-	-	-	278,637	2
8	छतीसगढ़	26	-	-	-	949,970	-
9	मध्य प्रदेश		-	4	-	3,355,028	3
10	दादरा और नगर हवेली	-	-	-	-	133,868	-
11	दमन और दीव	-	-	-	-	45,570	-
12	गुजरात	-	-	4	-	2,125,785	12
13	जम्मू और कश्मीर	-	1	-	-	1,831,215	-
14	झारखंड	655	-	-	-	1,073,400	2
15	कर्नाटक	170	-	-	-	1,223,916	-
16	केरल	-	-	-	-	1,317,390	-
17	लक्षद्वीप		-	-	-	-	-
18	महाराष्ट्र	21	-	3	-	2,080,157	3
19	गोवा		-	-	-	68,650	-
20	मिजोरम	345	-	-	-	40,074	-
21	मेघालय		-	-	16	58,874	-
22	त्रिपुरा		-	-	-	155,360	9
23	नागालैंड	-	-	-	6	82,982	-
24	मणिपुर	-	-	-	-	35,687	-
25	पंजाब	-	-	-	-	391,285	5
26	हिमाचल प्रदेश		-	-	-	247,214	-
27	हरियाणा		-	-	44	445,156	-
28	दिल्ली		-	-	26	8,206,685	-
29	ओडिशा	-	-	-	-	1,082,056	2
30	पुद्दुचेरी	-	-	-	-	38,538	-
31	राजस्थान	483	-	-	-	2,716,997	7
32	तमिलनाडु	-	-	-	-	977,211	-

33	उत्तराखंड	29	-	-	-	587,661	-
34	उत्तर प्रदेश	15	-	-	-	3,546,527	5
35	पश्चिम बंगाल	118	-	41	-	1,793,136	6
36	सिक्किम		-	-	-	34,242	-